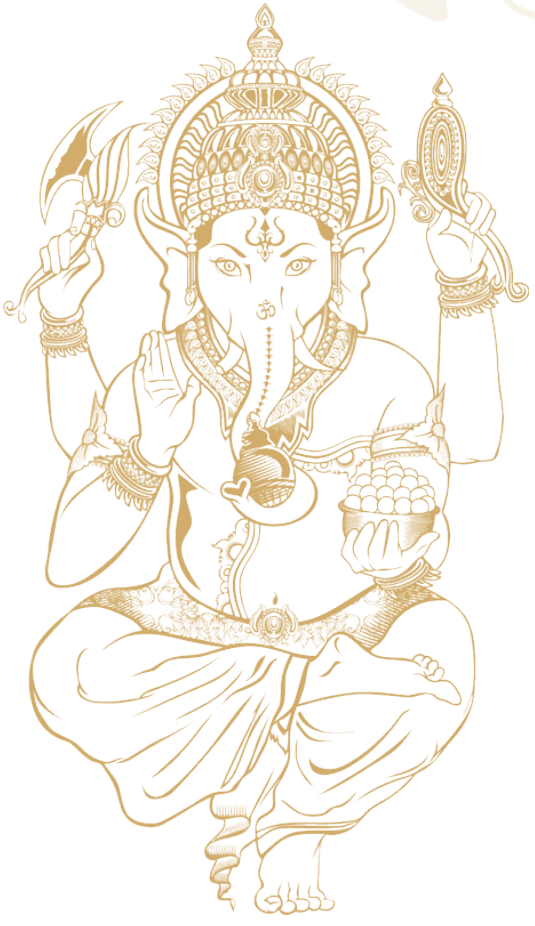

Subhangi

09 Nov 2008

03:45 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**8-09/11/2008**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:45:00 घंटे**
इष्ट	54:17:43 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:55:00 घंटे
वेलान्तर	00:16:17 घंटे
साम्पातिक काल	07:08:52 घंटे
सूर्योदय	06:01:54 घंटे
सूर्यास्त	17:05:35 घंटे
दिनमान	11:03:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	22:54:06 तुला
लग्न के अंश	21:36:59 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सौम्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	21:36:59	325:37:42	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			तुला	22:54:06	01:00:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	25:13:12	13:18:36	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	00:44:09	00:42:28	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	स्वराशि
बुध			तुला	12:55:41	01:37:34	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			धनु	24:06:37	00:09:58	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			धनु	01:33:39	01:12:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			सिंह	25:21:45	00:05:09	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मक	19:48:27	00:04:10	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	19:48:27	00:04:10	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	24:54:07	00:00:55	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप			मक	27:29:49	00:00:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	05:26:40	00:01:44	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	21:53:16	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:01

लग्न-चलित

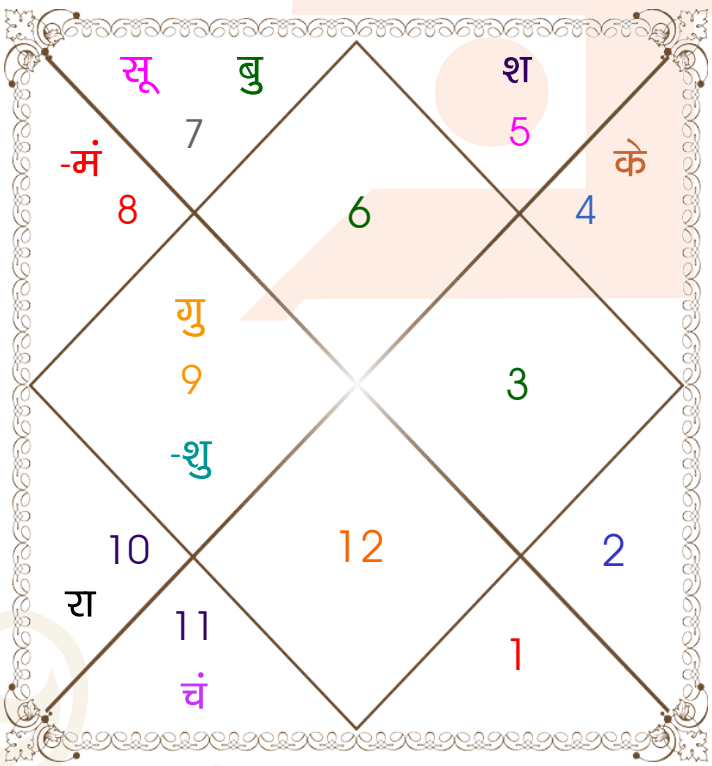

चन्द्र कुंडली

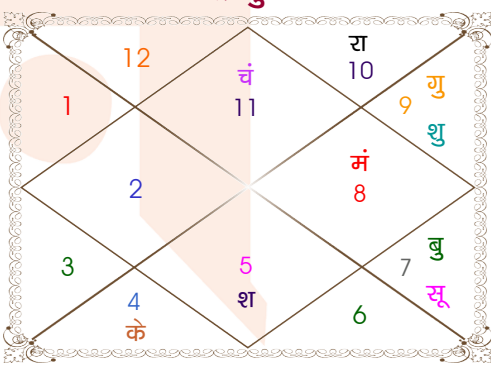

नवमांश कुंडली

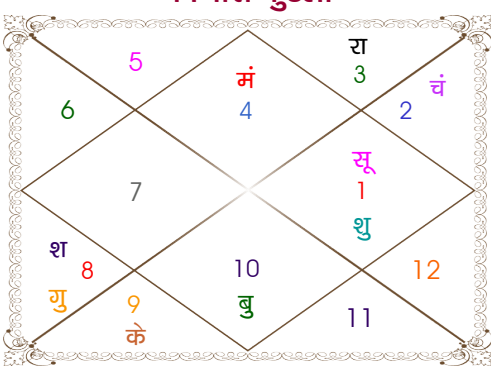

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 8 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/11/2008		05/08/2018		04/08/2037		05/08/2054		04/08/2061	
05/08/2018		04/08/2037		05/08/2054		04/08/2061		04/08/2081	
	00/00/0000	शनि	08/08/2021	बुध	01/01/2040	केतु	01/01/2055	शुक्र	04/12/2064
	09/11/2008	बुध	17/04/2024	केतु	28/12/2040	शुक्र	02/03/2056	सूर्य	04/12/2065
बुध	11/07/2009	केतु	26/05/2025	शुक्र	29/10/2043	सूर्य	08/07/2056	चंद्र	05/08/2067
केतु	17/06/2010	शुक्र	26/07/2028	सूर्य	04/09/2044	चंद्र	06/02/2057	मंगल	04/10/2068
शुक्र	15/02/2013	सूर्य	08/07/2029	चंद्र	03/02/2046	मंगल	05/07/2057	राहु	05/10/2071
सूर्य	04/12/2013	चंद्र	06/02/2031	मंगल	31/01/2047	राहु	24/07/2058	गुरु	05/06/2074
चंद्र	05/04/2015	मंगल	17/03/2032	राहु	20/08/2049	गुरु	29/06/2059	शनि	04/08/2077
मंगल	11/03/2016	राहु	22/01/2035	गुरु	26/11/2051	शनि	07/08/2060	बुध	04/06/2080
राहु	05/08/2018	गुरु	04/08/2037	शनि	05/08/2054	बुध	04/08/2061	केतु	04/08/2081

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/08/2081		05/08/2087		04/08/2097		05/08/2104		06/08/2122	
05/08/2087		04/08/2097		05/08/2104		06/08/2122		00/00/0000	
सूर्य	22/11/2081	चंद्र	04/06/2088	मंगल	01/01/2098	राहु	18/04/2107	गुरु	23/09/2124
चंद्र	24/05/2082	मंगल	03/01/2089	राहु	19/01/2099	गुरु	11/09/2109	शनि	06/04/2127
मंगल	29/09/2082	राहु	05/07/2090	गुरु	26/12/2099	शनि	18/07/2112	बुध	10/11/2128
राहु	23/08/2083	गुरु	04/11/2091	शनि	04/02/2101	बुध	04/02/2115		00/00/0000
गुरु	10/06/2084	शनि	05/06/2093	बुध	01/02/2102	केतु	23/02/2116		00/00/0000
शनि	23/05/2085	बुध	04/11/2094	केतु	30/06/2102	शुक्र	23/02/2119		00/00/0000
बुध	30/03/2086	केतु	05/06/2095	शुक्र	30/08/2103	सूर्य	17/01/2120		00/00/0000
केतु	05/08/2086	शुक्र	03/02/2097	सूर्य	05/01/2104	चंद्र	18/07/2121		00/00/0000
शुक्र	05/08/2087	सूर्य	04/08/2097	चंद्र	05/08/2104	मंगल	06/08/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 8 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काणा भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करती रहती हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझती हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाती कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेती हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाती हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगती हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगी।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देती हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा पति चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगी। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगी।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।